<u>विकास खण्ड, सुलह स्थित भेड़ू महादेव</u>

<u>राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारन्टी योजना (NREGS)</u>

<u>के अन्तर्गत</u>

<u>सफलता की कहानियां</u>

राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारन्टी योजना 2007-08 से ज़िला काँगड़ा में शुरू की गई, जिसका शुभारम्भ अप्रैल माह में विकास खण्ड नूरपुर से किया गया। इस योजना का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के अकुशल कामगारों हेतू एक वित्तिय वर्ष में 100 दिनों का रोज़गार सुनिश्चित करना है। विकास खण्ड सुलह में भी यह योजना पिछले दो वर्षों से क्रियान्वित की जा रही है। हालांकि इस योजना के क्रियान्वयन में कुछ समस्याएं भी आ रही हैं, कुछ सफलता की कहानियां लिखी गईं हैं जिनका ब्यौरा इस प्रकार है।

1. **<u>रोज़गार सृजन ः -</u>**

इस विकास खण्ड में माह नवम्बर 2008 तक कुल 10074 परिवारों का रोज़गार हेतू पंजीकरण किया गया है। जिसमें से अनुसूचित जाति के 3150, अनुसूचित जनजाति के 325 तथा 6599 अन्य वर्गों के परिवार पंजीकृत हैं। माह नवम्बर 2008 तक कुल 1310850 कार्य दिवस अर्जित हुए। जिसमें स्थानीय लोगों को रोज़गार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता एवं घर के आस-पास ही रोज़गार उपलब्ध होने के कारण उनके जीवन में खुशहाली आई है जो अपने आप में एक सफलता की कहानी है।

2. **<u>महिलाओं व कमज़ोर वर्गों को विशेष लाभ ः -</u>**

इस योजना के अन्तर्गत महिलाओं व अन्य कमज़ोर वर्गों को विशेष लाभ प्राप्त हुआ है। इन्दिरा आवास योजना व ग़रीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को वर्ष 2008-09 के शेल्फ में व्यक्तिगत परिसम्पत्तियों के निर्माण हेतू अलग से प्रावधान किया गया है। इसके साथ इन वर्गों को रोज़गार के अवसर मिल रहे हैं तथा समाज के यह कमज़ोर वर्ग जीवन की धारा से जुड़ रहे हैं, शायद यही नरेगा का लक्ष्य है। यह सब अपने आप में सफलता की कहानी ब्यान करता है।

3. **<u>ग्रामीणों में आत्मविश्वास की भावना ः -</u>**

इस योजना के शुरू होने से लोगों में आत्मविश्वास बढ़ा है। क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होने के कारण उनका सामाजिक व राजनैतिक विकास हुआ है। आत्म विश्वास से भरे ग्रामीण अपने मत का प्रयोग उम्मीदवारों के गुण व दोषों के आधार पर करते हैं। साथ में लोगों की आर्थिक स्थिति सुधरने से उनका परिवार व समाज में स्थान ऊंचा हुआ है।

4. **<u>स्थाई परिसम्पत्तियों का सृजन ः -</u>**

नरेगा शेल्फ के प्रावधानों के अनुरूप भिन्न-भिन्न स्थाई परिसम्पत्तियों का सृजन किया जा रहा है। जिसमें मुलतः ग्रामीण क्षेत्रों को जोडने वाली सड़कें व रास्ते, बाढ़ नियन्त्रण व भू-संरक्षण हेतू क्रेट इत्यादि का कार्य, लघु सिंचाई हेतू कुहलों का निर्माण व जलाशयों का निर्माण शामिल है। इस समय तक कुल 337 कार्य इस योजना के अन्तर्गत चलाए गए जिनमें से 73 कार्य पूर्ण किये गए तथा शेष का कार्य प्रगति पर है। उदाहरण निम्नलिखित हैं ः -

i. **<u>कुहल अप्पर सिहोटू, ग्राम पंचायत सिहोटू का जीर्णोद्धार व नवीकरण करना ः -</u>**

कुहल अप्पर सिहोटू, ग्राम पंचायत सिहोटू हेतू कुल 967700/- रूपये का प्रांकलन सक्षम तकनीकी अधिकारी द्वारा पारित किया गया। इस कुहल के जीर्णोद्धार व नवीकरण से रक्कड़, सिहोटू, अटियाला दाई व मलोग गाँवों के किसानों की लगभग 25 हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। कार्य के निष्पादन सम्बन्धि ग्राम पंचायत सिहोटू के सौजन्य से किया गया, इससे जहाँ एक तरफ किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हुई है वहीं स्थानीय बेरोज़गार लोगों को रोज़गार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

ii. **<u>बाढ़ संरक्षण व भू-संरक्षण हेतू क्रेट निर्माण, सपड़ू की आल, ग्राम पंचायत पनापर ः -</u>**

पंचायत द्वारा ग्राम सभा के माध्यम से पारित इस योजना हेतू 523000/- रूपये का प्रावधान किया गया जिसका निष्पादन सम्बन्धित पंचायत पनापर द्वारा करवाया गया। गाँव टाण्डा, सपड़ू इत्यादि के लोगों की भूमि जिसका ताहल खडड से भूमि कटाव हो रहा था, क्रेटों के निर्माण से लाखों रूपयों की बहुमुल्य भूमि के

कटाव का संरक्षण सुनिश्चित किया गया, वहीं स्थानीय कामगारों को रोज़गार के अवसर उपलब्ध हुए।

iii. **<u>निर्माण सम्पर्क रास्ता सनराईज़ स्कूल से न्यूगल शमशान घाट तक, ग्राम पंचायत खदौठ ः -</u>**

पंचायत द्वारा ग्राम सभा के माध्यम से पारित इस योजन हतू 280000/- रूपये स्वीकृत किये गए। इस योजना के निष्पादन से स्थानीय लोगों को न्यूगल शमशान घाट तक अन्त्येष्ठी हेतू आने जाने की सुविधा प्राप्त हुई वहीं स्थानीय लोगों को रोज़गार के अवसर प्राप्त हुए।

5. **<u>जल संरक्षण व प्राकृतिक संसाधनों का रख-रखाव</u>** ः -

इस योजना के अन्तर्गत जल संरक्षण हेतू बावड़ीयों, जलाशयों इत्यादि का रख-रखाव किया गया, जिससे भूमि में जल स्तर बढ़ा है। इसके साथ ही पौधारोपण का कार्य भी किया जा रहा है जिससे हरियाली बढ़ेगी तथा पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता होगी, उदाहरण के लिए ः -

i. **<u>निर्माण तालाब नंड़ी, ग्राम पंचायत रझूं ः -</u>**

पंचायत द्वारा ग्राम सभा के माध्यम से पारित इस योजना हेतू 114800/- रूपये का प्रावधान किया गया जिसका निष्पादन सम्बन्धित पंचायत रझूं द्वारा करवाया गया। इस तालाब में 12 मास पानी रहता है तथा ग्राम वासियों के पशुओं के लिए पानी की समस्या से छूटकारा मिला व मौसमी सब्ज़ियों को उगाने के लिए भी पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है अतः स्थानीय बेरोज़गार लोगों को भी रोज़गार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

6. **<u>सामुदायिक सहभागिता व पंचायती राज की भूमिका</u>** ः

इस योजना के कार्यान्वयन से सामुदायिक सहभागिता बढ़ी है, क्योंकि इसमें हर वर्ग के लोग मिल-जुल कर कार्य कर रहे हैं। कार्य पंचायतों, पंचायत समितियों व ज़िला परिषदों के माध्यम से करवाए जा रहे हैं। तीन लाख से छः लाख रूपये तक के कार्यों के निष्पादन में पंचायत समितियों तथा छः लाख रूपये से उपर के कार्यों में ज़िला परिषदों की भूमिका को सुनिश्चित किया गया है।